**SALE OF HANDLOOM AND VILLAGE INDUSTRIES PRODUCTS ON RAILWAY STATIONS**

*271. SHRI DEOKINANDAN NARAYAN: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) the names of railway stations where arrangements have been made for the sale of handloom and village industries products on station premises; and

(b) the facilities given by the Railways for the sale of such products on these stations?

THE DEPUTY MINISTER OF RAILWAYS (SHRI SHAH NAWAZ KHAN): (a) Lucknow (B.G. and M.G.), Gorakhpur, and Katihar.

(b) At Lucknow Jn. (B.G.), the U.P. Government have been given a contract for sale of handloom products and art goods through a hand-trolley.

At Lucknow (M.G.), Gorakhpur and Katihar, private contractors have been allowed to sell handloom products.

**श्री देवकीनन्दन नारायण :** क्या माननीय मंत्री महोदय से मैं यह जान सकता हूं कि ऐसे कौन कौन से स्टेशन निश्चित किये गय हैं जहा कि स्टेशन पर आगामी वर्ष में इस तरह की दुकानें खोली जायेंगी ?

**श्री शाहनवाज खां :** इसके लिये पिछले साल नवम्बर में रेलवे मिनिस्ट्री ने आर्डर्स ईशू किये थे और लोगों से दरख्वास्तें मांगी गई थीं। २६ स्टेशनों के लिये दरख्वास्तें आई हैं, जिनके लिये ग़ौर हो रहा है ।

**श्री देवकीनन्दन नारायण :** ये २६ स्टेशन कौन कौन से हैं ? क्या ये बताये जा सकते हैं ?

**श्री शाहनवाज खां :** इनको बता सकते हैं, अगर आपकी इजाज़त हो । काफी लम्बी लिस्ट है ।

MR. CHAIRMAN: It is a long list. Not necessary.

**श्री राम सहाय :** क्या माननीय मिनिस्टर महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि इन स्टेशनों पर हैंडलूम्स का जो माल बेचा जायगा वह एक नियत कीमत पर, फिक्सड प्राइस पर, ही बेचा जायगा ?

**श्री जगजीवन राम :** : ऐसा कुछ करना रेलवे के जरिये से सम्भव नहीं है लेकिन आम तौर से रेलवे स्टेट गवर्नमेंट्स से दरियाफ़्त कर लेंगी कि कौन कौन से लोग हैं जो कि उनके यहां हैंडलूम्स के मामले में काम करते हैं और भरसक वैसे ही लोगों को काम दिया जाय तो अच्छा है ।

**श्री अमोलख चंद :** क्या मैं जान सकता हूं कि रेलवे प्लैटफ़ार्म पर इसके लिये जो जगह दी जायगी उसका क्या किराया लिया जायगा या वह जगह स्टेट गवर्नमेंट्स को फ्री दी जायगी ?

**श्री शाहनवाज खां :** उसके लिये मुनासिब किराया लिया जायगा । वह फ्री नहीं दी जायगी ।

**श्री जस्पत राय कपूर :** जो आपने दरख्वास्तें मांगी थीं वें सिर्फ २६ स्टेशनों के लिये ही मांगी थीं या सभी स्टेशनों के लिये मांगी थीं और सिर्फ २६ स्टेशनों के लिये ही आईं ?

**श्री शाहनवाज खां :** सभी स्टेशनों के लिये ।

**श्री जस्पत राय कपूर :** क्या कोई खुली इजाजत दे दी था कि किसी भी स्टेशन के लिये जो जो दरख्वास्त देना चाहते हैं दें ?

**श्री शाहनवाज खां :** जी हां ।

**श्री देवकीनन्दन नारायण।** क्या मैं जान सकता हूं कि लखनऊ स्टेशन के लिये क्या किराया निश्चित किया गया है ?

**श्री शाहनवाज खां :** लखनऊ स्टेशन पर सन् १९३७ से हैंडलूम्स का कपड़ा बिकता है और उसका किराया २५ रुपया माहवार है।

**श्री देवकीनन्दन नारायण :** क्या मैं मंत्री महोदय से जान सकता हूं कि ये जो स्टेशन चुने जायेंगे आगामी वर्ष के लिये क्या ये हैंडलूम बोर्ड की सलाह से चुने जायेंगे ?

**श्री जगजीवन राम :** कोई स्टेशन चुना नहीं गया है। बात यह है कि पहले रेलवे बोर्ड की यह नीति थी कि केवल दो तीन स्टेशनों को छोड़ कर और किसी स्थान पर ट्राली लगा कर के इस को बेचने की इजाजत नहीं थी, हां, प्रदर्शन के लिये वह शो-केस में रख सकते थे। अभी नवम्बर में मैंने इस पालिसी को बदला है और रेलवेज को इंस्ट्रक्शन दिया है कि अगर इस तरह की दरख्वास्तें आयें कि स्टेशनों पर कुछ हैंडलूम की, आर्टस् एंड क्राफ्ट्स की चीजें वह बेचने के लिये स्टाल में रखना चाहते हैं तो उन दरख्वास्तों पर मुनासिब विचार किया जाये और इस तरह की दुकानों के लिये लाइसेंस दिया जाया करे। अभी नवम्बर में यहां से आज्ञा जारी हुई है और अभी तो यह कहना सम्भव नहीं है कि किन किन स्टेशनों पर यह रहेगा।

**श्री देवकीनन्दन नारायण :** क्या मैं मंत्री महोदय से जान सकता हूं कि खादी के लिये भी कोई दरख्वास्त आई हुई है ?

**श्री जगजीवन राम :** खादी के लिये भी, जहां तक मुझे स्मरण है, राजपुरा से श्रीमती अब्दुल सलाम के लिये आई हुई है।

**श्री अभिमन्यु रथ:** क्या मंत्री महोदय बता सकते हैं कि खादी और हैंडलूम में क्या डिफरेंस है ?

**(कोई उत्तर नहीं दिया गया।)**

SHRI N. R. MALKANI: There are numerous big posters for the sale of textile mill cloth in almost all the big stations. Do you think that there is a favourable atmosphere there for selling handloom cloth?

SHRI JAGJIVAN RAM: It is a question of opinion, but there is no restriction as such on posters or placards being exhibited by the Handloom Board.

SUPPLY OF RICE BY CENTRE TO BOMBAY

*272. SHRI DEOKINANDAN NARAYAN: Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state the present monthly quantity of rice that is being supplied by the Centre to the State of Bombay?

THE DEPUTY MINISTER OF FOOD AND AGRICULTURE (SHRI A. M. THOMAS): 13,000 tons.

SHRI DEOKINANDAN NARAYAN: Every month?

SHRI A. M. THOMAS: Yes.

SHRI DEOKINANDAN NARAYAN: Is it a fact that in the neighbouring States of the Bombay State, the rates of rice being cheap, rice is being smuggled from those States?

SHRI A. M. THOMAS: Complaints with regard to smuggling have been made, and the Minister himself has made a statement on the floor of the House with regard to it.

SHRI DEOKINANDAN NARAYAN: What are the rates of rice in the neighbouring States at present and what are the rates existing in Bombay State in the fair price shops?

SHRI A. M. THOMAS: In fair price shops the price is uniform. The hon. Member knows that rice is being distributed at the rate of Rs. 16 per maund, and with regard to the fine variety of rice, we sell it at Rs. 20.